यू.पी.पी.सी.एस. (मुख्य) परीक्षा-2017
(सामान्य हिन्दी)
मॉडल पेपर-1

निर्धारित समय : तीन घंटे **अधिकतम अंक : 150**

नोट:

(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के अंत में अंकित हैं।

(iii) पत्र, प्रार्थना-पत्र या अन्य किसी प्रश्न के उत्तर के साथ अपना अथवा अन्य का नाम, पता एवं अनुक्रमांक न लिखें। आवश्यक होने पर क, ख, ग अथवा X,Y,Z लिख सकते हैं।

1. कभी-कभी लोग अपने कुटुंबियों या स्नेहियों से झगड़कर क्रोध में अपना ही सिर पटक देते हैं। यह सिर पटकना अपने को दु:ख पहुँचाने के अभिप्राय से नहीं होता क्योंकि बिल्कुल बेगानों के साथ कोई ऐसा नहीं करता। जब किसी को क्रोध में अपना ही सिर पटकते या अंग-भंग करता देखें तब समझ लेना चाहिये कि उसका क्रोध ऐसे व्यक्ति के ऊपर है जिसे उसके सिर पटकने की परवाह है अर्थात् जिसे उसका सिर फूटने से उस समय नहीं तो आगे चलकर दु:ख पहुँचेगा। क्रोध का वेग इतना प्रबल होता है कि कभी-कभी मनुष्य यह भी विचार नहीं करता कि जिसने दु:ख पहुँचाया है, उसमें दु:ख पहुँचाने की इच्छा थी या नहीं। इसी से कभी तो अचानक पैर कुचल जाने पर किसी को मार बैठता है और कभी ठोकर खाकर कंकड़-पत्थर तोड़ने लगता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये। **5**

(ख) उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिये कि अचानक पैर कुचल जाने पर मनुष्य किसी को क्यों मार बैठता है? **5**

(ग) उपर्युक्त गद्यांश में रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिये। **20**

2. पाठकों की बहुसंख्या या तो क्षणिक मनोरंजन के लिये पढ़ती है या फिर उस विश्रांति के लिये जो पुस्तक उन्हें प्रदान करती है। दूसरे शब्दों में वे सामान्यत: वक्तकटी के लिये पुस्तक पढ़ते हैं। समय, जैसा कि अक्सर आँका जाता है, एक विरल बेशकीमती खजाना है। इस बेशकीमती खजाने को पाठकगण व्यर्थ ही गँवा देते हैं। अविश्वसनीय सा लगता है कि समय या वक्त पाठकों के ऊपर बहुत भारीपन से लदा होता है। और फिर वे खोज पाते हैं कि समय के उस अतिरिक्त बोझ से छुटकारा, जिसकी उन्हें ज़रूरत है, किताबें ही दिला सकती हैं। इतना तो पर्याप्त स्पष्ट है कि वे किसी दूसरे प्रयोजन के लिये नहीं पढ़ सकते। अगर वे ऐसा करें तब उस पढ़ने से उन्हें कुछ अपने लिये हासिल हो सकता है, किंतु ऐसे कोई संकेत नहीं है कि पढ़ने का कोई अन्य प्रयोजन हो। पढ़ने से उन पर कुछ प्रभाव ज़रूर पड़ते होंगे परंतु उन प्रभावों के बारे में वे अनजान हैं। प्रभाव लाभप्रद हो सकता है-यह निष्कर्ष हम नहीं निकाल सकते। इसका प्रभाव यही है कि पढ़ने के कारण वे अपने साथ कोई ऐसी चीज नहीं ले जाते कि बाद में कह सकें कि उन्होंने अमुक चीज पढ़ी है।

(क) उपर्युक्त अवतरण का उचित शीर्षक लिखिये। **5**

(ख) पढ़ना समाप्त करने के उपरांत लेखक की क्या अपेक्षा है, पाठकगण क्या करें? **5**

(ग) उपर्युक्त अवतरण का संक्षेपण लिखिये। **20**

3. (क) सरकारी एवं अर्द्ध-सरकारी पत्र का अंतर स्पष्ट करते हुए सरकारी पत्र का एक उदाहरण प्रस्तुत कीजिये। **10**

(ख) अधिसूचना विज्ञप्ति (Notification) क्या है? उसका एक प्रारूप प्रस्तुत कीजिये: **10**

4. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्गों एवं प्रत्ययों को अलग कीजिये: **10**

पराजय, निगोड़ा, परहित, कमज़ोर, हमदर्दी, प्रभावती, निपटारा, दिलावर, दिवालिया, साँगानेर।

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिये: **10**

अंतरंग, अधम, निरोगी, निषिद्ध, पुरस्कार, बेडौल, प्रासंगिक, महायोगी, लजीला, विदेशी

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिये: **10**

(i) वाल्मीकि ने अपना हृदय परिवर्तन किया।

(ii) उस चोर को कैद करने वाले को इनाम मिलेगा।

(iii) जैसे वह निर्भय है उतना ही ईमानदार भी है।

(iv) पति-पत्नी के झगड़े का हेतु क्या हो सकता है।

(v) आजकल देश में काफी सरगर्मी दृष्टिगोचर हो रही है।

Copyright– Drishti The Vision Foundation

7. निम्नलिखित वाक्यों के लिये एक-एक शब्द लिखिये: **10**

(i) जिस लेखन-सामग्री का प्रकाशन न हुआ हो।

(ii) कनिष्ठा और मध्यमा उँगली के बीच की उँगली।

(iii) तत्काल कविता करने में सक्षम कवि।

(iv) वह स्त्री, जिसका पति घर आने वाला हो।

(v) प्राकृतिक रूप से बना बड़ा और गहरा जलाशय।

8. निम्नलिखित मुहावरों और लोकक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिये और अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिये: **30**

(i) अंतड़ियों में बल पड़ना।

(ii) भुस में आग लगा जमालो दूर खड़ी।

(iii) उल्टे बाँस बरेली को।

(iv) अपनी करनी पार उतरनी।

(v) अठखेलियाँ सूझना।

(vi) आग खाना अंगार निकलना।

(vii) ऐरा-गैरा नत्थू खैरा।

(viii) अब की अब के साथ, तब की तक के साथ।

(ix) ऊँट किस करवट बैठता है।

(x) अर्श से फर्श तक।

Copyright– Drishti The Vision Foundation